

वी.यू. आफीसर्स स्टाफ क्लब, जबलपुर द्वारा संचालक द्वय एवं विभागाध्यक्ष का बिदाई समारोह कार्यक्रम का समापन

जबलपुर। दिनांक 02.04.2019 को आचार्य डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में कुलपति सभागार में तीन प्रख्यात प्राध्यापकों/वैज्ञानिकों क्रमशः डॉ. बिकास चंद्र सरखेल, संचालक जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, डॉ. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष पशु मादा प्रजनन एवं प्रसूति विभाग/सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी एवं डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन, विभागाध्यक्ष पशु विकृति विज्ञान विभाग/संचालक पशुचिकित्सा पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर का विश्वविद्यालय से 41-43 वर्षों की सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त हुए तीनों प्राध्यापकों/वैज्ञानिकों की भावमीनी बिदाई समारोह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।



कार्यक्रम के अवसर पर सेवा निवृत्तमान प्राध्यापकों का पुष्प गुच्छ, शॉल व श्रीफल के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवा निवृत्तमान प्राध्यापकों ने अपने-अपने सेवा काल की उपलब्धियों, विभिन्न गतिविधियों एवं विचारों को विश्वविद्यालय के सभागार में उपस्थितजनों के मध्य संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आचार्य डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्बोधन में



कहा कि हम सभी को इन गुरुजनों से शिक्षा लेते हुये अपने सेवाकाल के दौरान शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को अंगीकृत करते हुये विश्वविद्यालय के विकास में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन कर्तव्यनिष्ठा से संपादित करना है। साथ ही आपने निवृत्तमान प्राध्यापकों के स्वास्थ्य, समृद्धशाली एवं शतायु



जीवन की शुभकामनायें ज्ञापित की है। साथ ही सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों को उनकी उत्कृष्ट एवं अमूल्य सेवाओं का सदुपयोग विश्वविद्यालय के विकास एवं हित में दृष्टिगत रखते हुये भविष्य में लेने का निर्णय आदि विचारों से अवगत कराया गया।

बिदाई समारोह के कार्यक्रम में डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. यशपाल साहनी, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. पी.सी. शुक्ला, डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. सुनील नायक, डॉ. मधु स्वामी, एवं विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी ने एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर ने किया।